# कथा सरिता

## थोड़ा धैर्य तो रखें....

एक बार एक केकड़ा समुद्र किनारे अपनी मस्ती में चला जा रहा था और बीच-बीच में रुक कर अपने पैरों के निशान देख कर खुश होता। आगे बढ़ता, पैरों के निशान देखता और खुश होता। इतने में एक लहर आई और उसके पैरों के सभी निशान मिट गये।

इस पर केकड़े को बड़ा गुस्सा आया, उसने लहर से कहा:'ए लहर, मैं तो तुझे अपना मित्र मानता था, पर ये तूने क्या किया, मेरे बनाये सुंदर पैरों के निशानों को ही मिटा दिया, कैसी दोस्त हो तुम!' तब लहर बोली: 'वो देखो, पीछे से मछुआरे पैरों के निशान देख कर केकड़ों को पकड़ने आ रहे हैं। हे मित्र, तुमको वो पकड़ न लें, बस इसीलिए मैंने निशान मिटा दिए।'

ये सुनकर केकड़े की आँखों में आँसू आ गये।

सच यही है, कई बार हम सामने वाले की बातों को समझ नहीं पाते और अपनी सोच अनुसार उसे गलत समझ लेते हैं। जबकि हर सिक्के के दो पहलू होते हैं, अत: मन में वैर और वैमनस्यता लाने से बेहतर है कि हम दिल से सोचें, दिल की सुनें, फिर निष्कर्ष निकालें।

## फल का आधार बीज

एक समय में एक निर्दयी राजा हुआ करता था। वह अपनी जनता पर बड़ा ज़ुल्म और अत्याचार करता था। वह अपनी ऐशो-इशरत के लिए कुछ भी कर देता था। वह बच्चे, औरत, बुज़ुर्ग सब पर ज़ुल्म करता। सारी जनता उसको बद-दुवा देती और उसकी शीघ्र मृत्यु की कामना करती। एक दिन अचानक राजा ने स्वयं घोषणा की कि वो किसी को दु:ख नहीं पहुचायेगा और ना ही किसी पर अत्याचार करेगा। ये फैसला सुनकर जनता हैरान थी। सभी ज़्यादा सतर्क हो गए कि कहीं राजा कोई नई चाल तो नहीं चल रहा है? पर राजा अब एक सच्चे राजा की तरह अपने नियमों का पालन करता और अपनी जनता की सहायता भी करता। अब जनता भी धीरे-धीरे राजा से प्रसन्न होने लगी और जनता विश्वास भी करने लगी। पर सबके मन में एक प्रश्न था कि ये सब कैसे बदला? काफी दिनों बाद मंत्री ने हिम्मत कर राजा से ये सवाल पूछ ही लिया। तो राजा ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि मैं एक बार जंगल में शिकार पर गया था। तो एक कुत्ता एक मासूम से हिरन के बच्चे को मारने के लिए उसके पीछे दौड़ लगा रहा था, हिरन का बच्चा जान बचा कर भाग तो गया, पर कुत्ते ने उसे ज़ख्मी कर दिया। जब मैं पास वाले गाँव में आया तो उसी कुत्ते को वहाँ देखा, वो एक आदमी के पीछे भौंक रहा था। उस आदमी ने उस कुत्ते को एक भारी से पत्थर से मारा, तो कुत्ते की टांग टूट गयी। फिर थोड़ी देर बाद वो आदमी कहीं जाने के लिए एक तांगे के पास खड़ा था, अचानक घोड़े ने उस आदमी को लात मारकर उसके पैर का घुटना तोड़ दिया। फिर घोड़ा लात मार के भाग रहा था, तो अचानक वो एक गहरे गड्ढे में गिर गया और घोड़े की आगे की दोनों टांगें टूट गयीं। तो मैंने सोचा कि बुरे कर्मों के बीज बोने पर उसका फल भी तो मुझे ही मिलेगा, सो बेहतर होगा कि मैं कुछ अच्छे कर्मों के बीज बोना शुरू करूं....।

## अपना कार्य ना छोड़ें:

एक बार बादलों की हड़ताल हो गई। बादलों ने कहा, अगले दस साल पानी नहीं बरसायेंगे।

ये बात जब किसानों ने सुनी तो उन्होंने अपने हल वगैरह पैक कर के रख दिये।

लेकिन एक किसान अपने नियमानुसार हल चला रहा था। कुछ बादल थोड़ा नीचे से गुज़रे और किसान से बोले : 'क्यों भाई, पानी तो हम बरसायेंगे नहीं, फिर क्यों हल चला रहे हो?' किसान बोला: 'कोई बात नहीं, जब बरसेगा तब बरसेगा, लेकिन मैं हल इसलिए चला रहा हूँ कि मैं दस साल में कहीं हल चलाना न भूल जाऊँ।'

अब बादल भी घबरा गए कि कहीं हम भी बरसना न भूल जाएं। तो वो तुरंत बरसने लगे और उस किसान की मेहनत जीत गई। जिन्होंने सब पैक करके रख दिया वो हाथ मलते ही रह गए।

इसलिए हमेशा लगे रहो, भले ही परिस्थितियां अभी हमारे विपरीत हैं, लेकिन आने वाला समय नि:संदेह हमारे लिये अच्छा होगा।

कामयाबी उन्हीं को मिलती है जो विपरीत परिस्थितियों में भी मेहनत करना नहीं छोड़ते हैं।

**कठुआ-जम्मू कश्मीर।** आध्यात्मिक कार्यक्रम में कैबिनेट मिनिस्टर लाल सिंह चौधरी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. वीणा तथा ब्र.कु. अनीता।

**कोलकाता-प.बं.।** भारत सरकार के डाक विभाग द्वारा आयोजित कॉन्फ्रेन्स में डाक विभाग द्वारा जारी एक विशेष डाक टिकट का अनावरण करते हुए जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु शिवानी, ब्र.कु. मधु दीदी, हैम फेस्ट इंडिया 2017 के संयोजक मोहम्मद आरिफ तथा हैम फेस्ट इंडिया 2016 के संयोजक ब्र.कु. यशवंत।

**जटनी-ओडिशा।** 'गुड बाय डायबिटीज़' कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी मकरंद बेउरा, कार्य निर्वाही अधिकारी ललीता कपूर,पौर परिषद, डायबिटोलॉजिस्ट ब्र.कु. डॉ. श्रीमंत,माउण्ट आबू, ब्र.कु. सुलोचना, ब्र.कु. ज्योति तथा अन्य।

**रुड़की-उत्तराखण्ड।** ब्रह्माकुमारीज़ की 80वीं वर्षगांठ पर आयोजित 'चुनौतियों का सामना और समस्याओं का समाधान' कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. योगिनी,मुम्बई। साथ हैं 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी मैत्रियी गिरी जी महाराज, भारतीय जल विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. शरद कुमार जैन, ब्र.कु. विमला तथा ब्र.कु. मीना,हरिद्वार।

**खोरधा-ओडिशा।** सेवाकेन्द्र के 33वें वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए एम.बी.सी. टीवी के निर्देशक विश्वनाथ शतपथी, ब्र.कु. कमलेश बहन, ब्र.कु. सुलोचना, ब्र.कु. नथमल तथा अन्य।

**नरकटियागंज-विहार।** हरिनगर सुगर मिल्स लि. में ईख विकास गोष्ठी के दौरान 'स्ट्रेस फ्री लाइफ' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.अबिता।